P-530

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-502

सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन-01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. ज्योतिशास्त्र का परिचय देते हुए सिद्धान्त स्कन्ध का वैशिष्ट्य प्रतिपादित करें।

2. ग्रहगति के विभिन्न प्रकारों का विस्तृत परिचय प्रदान करें।

3. भूगोल का परिचय देते हुए भूपरिधि को व्याख्यायित करें।

4. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार "काल" का विवेचन कीजिए।

5. भचक्र व्यवस्था को विस्तार से समझाइए।

(खण्ड-ख)
(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. भगण का सामान्य परिचय देते हुए सूर्यसिद्धांतोक्त ग्रहों के भगण प्रमाण लिखिए।

2. ग्रह का सामान्य परिचय प्रदान करें।

3. कल्पित उदाहरण से भूपरिधि का साधन कीजिए।

4. मूर्त काल का परिचय एवं उनके मानों के बारे में लिखे।

5. अमूर्त काल का परिचय देते हुए उनके मुख्य मानों के बारे में लिखे।

6. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार ग्रह कक्षा क्रम के बारे में लिखे।

7. ग्रह गति साधन की विधि लिखिए।

8. सिद्धान्त ज्योतिष का महत्त्व संक्षेप में लिखिए।